वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)

स्नातक खण्ड–2

(कला)

हिन्दी प्रतिष्ठा (तृतीय पत्र)

(हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्य–रीतिकालसे द्विवेदी युग तक)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन

1. इतिहास से आलोचनात्मक प्रश्न — 15×2=30 अंक
2. काव्य से आलोचनात्मक प्रश्न — 15×2=30 अंक
3. सप्रसंग व्याख्या — 10×2=20 अंक
4. समस्त अध्ययन पर आधारित लघुत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न
   - 5 प्रश्न लघुत्तरी — 5×2=10 अंक
   - 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 10×1=10 अंक

कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास** : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (रीतिकाल से द्विवेदी युग तक)
2. **रीतिकाल**– सम्पादक– डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ0 नन्दजी दूबे।

पाठ्यांश–

केशवदास–	–	रामचन्द्रिका	–	मंगलाचरण, सीमास्वयंवर
	–	रसिक प्रिया	–	छंद – 10 अंक
	–	कवि प्रिया	–	ऋतुवर्णन – 7 छंद
बिहारी	–	भक्ति	–	6 दोहे
		संयोग शृंगार	–	20 दोहे
	–	वियोग शृंगार	–	10 दोहे
		प्रकृति	–	10 दोहे
		नीति	–	10 दोहे
		मतिराम	–	प्रारम्भ से 20 छंद
भूषण	–	शिवाजी प्रशस्ति	–	15 छंद
		सेनापति	–	गंगा महोत्मय
		देव	–	रूप तरंग शृंगार वर्णन
		पद्याकर	–	10 छंद
		घनआनन्द	–	10 छंद
		द्रुत पाठ हेतु	–	बाधा, ठाकुर, आलम, रत्नाकर, भिखारी, दास

अभिस्तवित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत–भाग–2, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
3. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र।
4. रीति साहित्य– डॉ0 भगीरथ मिश्र।
5. भारतेन्दु– युग– डॉ0 राम विलास शर्मा।
6. साहित्यिक निबंध– डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
7. साहित्यिक निंबंध– डॉ0 यश गुलाटी।

Scanned with CamScanner

8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण– डॉ0 राम विलास शर्मा।
9. बिहारी की वाग्विभूति– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

स्नातक खंड– 2 *हिन्दी प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

नाटक, निबंध और समीक्षा।

समय : 3 घंटे

[पूर्णांक : 100

1. **अंक विभाजन**

(क) आलोचनात्मक प्रश्न :	15×3=45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न :	10×3=30 अंक
(ग) लघुत्तरी एवं टिप्पणी परक प्रश्न :	5×2=10 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (हिन्दी समीक्षा के विकास पर आधारित प्रश्न)	15×1=15 अंक
	कुल 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **चन्द्रगुप्त नाटक**– जयशंकर प्रसाद।
2. **श्रेष्ठ ललित निबंध**– सम्पादक–डॉ0 नन्दजी दूबे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। निर्धारित पाठ : 3, मैं द
ा ा ब ी
हूँ– शिवपूजन सहाय, 4. शिरीष के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. शेविंग : एक कला–भुवनेश्वर नाथ मिश्र 'माधव', 6. रत्न–नलिन विलोचन शर्मा, 7. जेब–प्रभाकर मांचवे, 8. दाढ़ी–देवेन्द्र नाथ शर्मा, 9. भोर का आह्वान–विद्या निवास मिश्र, 10. केक्टस– धर्मवीर भारती, 11. मान जा मेरे मन–रामेश्वर सिंह कश्यप, 12. मेरी शादी– नन्दु जी दूबे।

   द्रुत पाठ हेतु लेखक परिचय : पाण्डेय वेचन शर्मा उग्र, बालमुकुन्द गुप्त, माखन लाल चतुर्वेदी, सरदार पूर्ण सिंह, रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, डॉ0 नगेन्द्र बेढ़ब बनारसी, डॉ0 राम विलास शर्मा, यशपाल जैन, भगवशरण उपाध्याय, कुबेरनाथ राय।
3. **समीक्षात्मक निबंध :** सम्पादक – डॉ0 दीनानाथ सिंह, अनुपम प्रकाशन, पटना। निर्धारित पाठ–प्रारम्भ के चार पाठ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास** : डॉ0 दशरथ ओझा।
2. **हिन्दी नाटक** : डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **हिन्दी गद्य विन्यास और विकास** : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. **आधुनिक साहित्यिक निबंध** : डॉ0 त्रिभुवन सिंह।

स्नातक खंड– 2 *संस्कृत प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)

समय : 3 घंटे

[पूर्णांक : 100

1. **कादम्बरी**– शुकनासोपदेश– बाणभट्ट।
2. **शिवराज विजय**– प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास– पं0 अम्बिका दत्त व्यास।
3. **दश कुमार चरित**– (दण्डी) पूर्वपीठिका का पंचम उच्छवास मात्र।

आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक से एक–एक)	15×3= 45 अंक
व्याख्या केवल गद्यांश से 2–	12½×2= 25 अंक
अनुवाद (प्रत्येक से एक–एक)–	10×3= 30 अंक

स्नातक खंड– 2 *संस्कृत प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

समय : 3 घंटे

[पूर्णांक : 100

व्याकरण–नाटक

1. नाटक– (क) **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**– 60 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न– दो	14×2=28 अंक
अनुवाद– दो	6×2= 12 अंक

Scanned with CamScanner

संस्कृत में व्याख्या– 10×2=20 अंक

(ख) दरिद्र चारूदत्तम– 20 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न– दो 12 अंक

अनुवाद– एक 6 अंक

2. व्याकरण– स्त्री प्रत्यय प्रकरणम् सिद्धान्त कौमुदी

सूत्र व्याख्या– तीन 4×3=12 अंक

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग– 2×4=8 अंक

स्नातक खंड– 2 दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा (तृतीय पत्र)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

नीतिशास्त्र

1. नीतिशास्त्र का स्वरूप।
2. नैतिक प्रत्यय–उचित एवं शुभ कर्त्तव्य–दायित्व।
3. नैतिक तथा नीति शून्य कर्म।
4. नैतिक कर्म का विश्लेषण।
5. नैतिकता की आवश्यकता।
6. नैतिक मान्यता का स्वरूप।
7. नैतिक प्रयोजन के विषय– प्रयेजन, अभिप्राय।
8. नैतिकला का मापदंड– बाह्य नियम, बुद्धिवाद, अन्त प्रजावाद, आत्मपूर्णतावाद।
9. दंड के सिद्धान्त– प्रतिकारवाद, सुधारवाद तथा अन्य।
10. भारतीय नीति वर्णाश्रम– पुरुषार्थ; गीता की नीति।

अभिस्तावित पुस्तकें।

1. आचारशास्त्र– ए0 के0 वर्मा, 2. नीतिशास्त्र– बी0 एन0 सिंह।

स्नातक खंड– 2 दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठा (चतुर्थ पत्र)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

1. देकार्त सिद्धान्त, आत्मा का स्वरूप, ईश्वर गुण, विस्तार, तर्क, विश्व द्रव्य विचार तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
2. स्पिनोजा–विस्थापन, द्रव्य विचार गुण, प्रयास तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
3. लाईव निट्ज– मोनाड्स, ईश्वर, पूर्व स्थापित सामंजस्य।
4. लोक जन्मजात प्रत्ययों का खंडन, सरल तथा मिश्रित प्रत्यय, द्रव्य विचार, मूल, गुण एवं उपगुण।
5. वर्कले– मत का खंडन, सत्ता अनुभवमूलक है।
6. हम–संस्कार तथा प्रत्यय, कार्य कारण तथा सन्देहवाद।
7. कान्ट–धारणा, ज्ञान की रचना, सन्देहवाद, समय तथा दूरी, पदार्थ, घटनाएँ तथा परासता।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. बद्रीनाथ सिंह– पाश्चात्य दर्शन।
2. ए0 के0 वर्मा– पाश्चात्य दर्शन।
3. वार्ड मसीह– पाश्चात्य दर्शन।

स्नातक खंड– 2 भूगोल प्रतिष्ठा (तृतीय पत्र)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 75

खंड (क) भारत तथा बिहार

पाँच यूनिट से 2–2 प्रश्न रहेंगे। एक उत्तर अनिवार्य है।

1. प्राकृतिक बनावट–जलवायु, मानसून, प्राकृतिक वनस्पति।
2. कृषि–सिंचाई, भारतीय कृषि के प्रकार, मुख्य फसलें, कृषिगत उद्योग।
3. उद्योग–लोहा तथा इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी, सीमेन्ट तथा उर्वरक उद्योग। उपरोक्त उद्योगों का ऐतिहासिक तथा क्रमबद्ध विकास एवं क्षेत्र पर प्रकाश डालें।

Scanned with CamScanner

4. जनसंख्या–विकास, वितरण, जनसंख्या की समस्या तथा नीति, ग्रामीण बसाव के प्रकार तथा नगरीय बसाव के विकास की समस्याएँ।
5. बिहार– प्राकृतिक बनावट–मुख्य नदी घाटी योजना, कृषि क्षेत्र, खनिज (कोयला, लोहा, अयस्क, बॉक्साइट, अभ्रक), बिहार के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र, बिहार के सुखाड़ एवं बाढ़ की समस्या।

स्नातक खंड– 2 *भूगोल प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 75

आर्थिक एवं संसाधन भूगोल

आर्थिक भूगोल :

यूनिट (अ)

1. कृषि–प्रकार, विस्थापित, व्यापारिक खाद्यान्न, वृक्षारोपण एवं दुग्ध उत्पादन, विश्व के मुख्य कृषि क्षेत्र।
2. उद्योग–मुख्य उद्योग–लौह तथा इस्पात, सूती वस्त्र चीनी। विश्व के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र, उद्योग स्थापना के कारण तथा क्षेत्र, वेवर तथा वीन थेन्स के सिद्धान्त।
3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार– गेहूँ, कपास, लौह, अयस्क, खनिज तेल।
   मुख्य व्यापारिक मार्ग– उत्तरी अटलांटिक, स्वेज तथा पनामा।

संसाधन भूगोल (Resource Geography)

4. संसाधन के विचार– मिट्टी, जल, जंगल, उसका वितरण, उपयोग, विश्व का मत्स्य उद्योग।
5. खनिज उद्योग–कोयला, लोहा, बॉक्साइट, खनिज तेल, मैंगनीज, ताँबा। उपरोक्त खनिजों का उत्पादन, वितरण, उपयोग।

स्नातक खंड– 2 *राजनीतिशास्त्र प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

भारतीय राजनीति व्यवस्था

(अ) भारतीय राजनीति की व्यवस्था की विशेषताएँ :

1. संविधान सभा एवं भारतीय राजनीति उपलब्धि।
2. भारतीय संविधान के दार्शनिक, सामाजिक, आर्थिक तत्व
3. प्रस्तावना
4. मूलभूत अधिकार एवं कर्तव्य
5. राजनीति के निर्देशक तत्व

(ब) सरकारी व्यवस्था– बनावट एवं कार्य :

1. केन्द्रीय सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
2. राज्य सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
3. संविधान संशोधन के रूप
4. लोक सेवा आयोग
5. निर्वाचन आयोग– संगठन अधिकार एवं कार्य।

(स) भारतीय राजनीति–

1. स्वरूप एवं प्रवृत्ति
2. आधार एवं निर्धारण–जातीयता, धार्मिकता, साम्प्रदायिकता, नवीनता एवं पौराणिकता
3. भारतीय राजनैतिक दल
4. दबाव समूह
5. कर्तव्यच्युत
6. मत व्यवहार

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय शासन प्रणाली– डॉ0 गाँधी जी राय
2. भारतीय राजनीति एवं शासन– पुखराज जैन

Scanned with CamScanner

स्नातक खंड– 2 राजनीतिशास्त्र प्रतिष्ठा (चतुर्थ पत्र)
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
(द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, विकास, स्वरूप, क्षेत्र।
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के स्रोत।
3. दार्शनिक दृष्टिकोण–मारगेन्थू का यथार्थवादी दृष्टिकोण और आदर्शवादी सिद्धान्त।
4. निर्णयीकरण उपागम और नीति नियोजन (Decision making Approach and Policy Planning) ।
5. भारतीय विदेश नीति।
6. अमेरिका की विदेश नीति।
7. रसियन विदेश नीति।
8. साम्यवादी चीन की विदेश नीति।
9. अमेरिका से भारत का संबंध।
10. सोवियत रूस से भारत का संबंध।
11. चीन से भारत के संबंध
12. भारत एंव उसके पड़ोसियों का संबंध विशेषकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल के संबंध में।
13. संयुक्त राष्ट्रसंघ– उद्देश्य, संगठन एवं महत्व।
14. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन।

सहायक पुस्तकें :

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति– फाड़िया
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति– गाँधीजी राय, भारती भवन, पटना।
3. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन– गाँधीजी राय, जानकी प्रकाशन, पटना।
4. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध– डॉ0 दीनानाथ वर्मा।

स्नातक खंड– 2. इतिहास प्रतिष्ठा (तृतीय पत्र)
पूर्व मध्यकालीन भारत (6th–13th early A.D.)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. वद्धनों और मौखरियों का उत्थान।
2. हर्षवर्द्धन का सैन्य सुधार, प्रशासन और सांस्कृतिक योगदान।
3. कन्नौज पर आधिपत्य के लिए त्रिकोणात्मक संघर्ष।
4. पाल वंश– धर्मपाल, देवपाल, पालों के सांस्कृतिक योगदान।
5. गुर्जरों प्रतिहारों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
6. राजकूटों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
7. पल्लवों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
8. चोलवंश चोल साम्राज्य की उत्पत्ति और विस्तार चोलों के सैन्य संगठन, स्वशासन, प्रशासन की विशेषताएँ।
9. राजपूतों की उत्पत्ति।
10. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
11. तुर्कों का भारत पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
12. भारत में भक्ति आन्दोलन– अल्वर और नयनार।
13. भू–दान का प्रारम्भ और सामन्तवादी राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्था।

Scanned with CamScanner

स्नातक खंड– 2 इतिहास प्रतिष्ठा (चतुर्थ पत्र)
आधुनिक यूरोप (1789–1945)

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे

निर्धारित अध्याय :

1. पुरातन व्यवस्था, 2. फ्रांस की राज्यक्रांति–कारण, परिणाम एवं महत्व, 3. नेपोलियन बोनापार्ट–उदय, फ्रांस, इटली और जर्मनी में उसकी देने, पतन के कारण, 4. वियन सम्मेलन और यूरोपीय व्यवस्था, 5. फ्रांसीसी क्रान्तियाँ– 1830 ई0 की फरवरी क्रांति और 1848 ई0 की जुलाई क्रान्ति, कारण और परिणाम, 6. क्रीमिया युद्ध–कारण और परिणाम, 7. लुई नेपोलियन तृतीय : विदेश नीति, 8. जार अलेक्जेन्डर–II मुक्तिदाता, 9. प्रथम विश्व युद्ध : कारण और परिणाम, 10. वर्साय सन्धि (1919), 11. राष्ट्रसंघ : गठन, कार्य और विफलता के कारण, 12. आर्थिक संकट (1929–30), 13. इटली में मुसोलिनी का उदय, 14. जर्मनी में हिटलर का उदय, 15. द्वितीय विश्वयुद्ध–कारण और परिणाम, 16. संयुक्त राष्ट्रसंघ–जन्म, गठन और कार्य।

संदर्भ–ग्रंथ :

1. आधुनिक यूरोप का इतिहास– डा0 दीनानाथ शर्मा
2. आधुनिक यूरोप– कौलेश्वर राय।

स्नातक खंड– 2 गृह विज्ञान प्रतिष्ठा (तृतीय पत्र)
पथ्य आहार

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घंटे

1. रोगी की सुरक्षा का तरीका।
2. संतुलित पथ्य का रूपान्तर, तरल एवं हल्का पथ्य।
3. पथ्य की तैयारी, पालन–पोषण के नियोजन एवं गणना, प्रत्येक अवस्था का निर्देश।
4. उच्च तापमान इकाई एवं निम्न तापमान इकाई; खाद्य, निम्न माप, उच्च माप।
5. ताप टाईफड।
6. उच्च ताप, खाज–अपच
7. कार्बोहाइड्रेट–अवरोध, आहार, मधुमेह, मैलोंटोस।
8. सोडियम अवरोध आहार–हृदय रोग।
9. कोमल आहार–यकृत।
10. संतुलित आहार–यकृत।
11. खाद्य कर्मी–कमजोरी (एलरजी)

स्नातक खंड– 2 गृह विज्ञान प्रतिष्ठा (चतुर्थ पत्र)
गृह व्यवस्था

1. गृह व्यवस्था के सिद्धांत, मूल्य लक्ष्य एवं स्तर, व्यवस्था स्वरूप, योजना निर्देशन, निर्धय प्रक्रिया, स्वरूप, अच्छी गृह व्यवस्था का स्तर।
2. परिवार की विभिन्न जरूरतों के लिए रूम की योजना।
3. किरायेदार बनाम मालिक।
4. घर के कार्य।
5. गृह व्यवस्था के साधन–प्रतिदिन, साप्तिाहिक एवं घर की ऋतु सफाई, द्रव्य की सफाई, ग्लास, क्रॉकरी, लकड़ी एवं अन्य की सफाई।
6. अन्तर्सज्जा–निर्णय का रूप, सज्जा के सिद्धान्त, रंग, छत की विभिन्न प्रकार की सजावट।
7. फर्नीचर की सफाई–चुनाव के प्रकार, फर्नीचर की खरीद, फर्नीचर की देखभाल।
8. धन व्यवस्थापन– परिवार के प्रकार, बजट, लेखा–जोखा, बचत, खर्च।

सहायक पुस्तकें :

गृह व्यवस्था– श्रीमती कान्ति पाण्डे।

Scanned with CamScanner

गृह विज्ञान प्रायोगिक

1. रोगी की आहार योजना का Theory पेपर में समायोजन।
2. घरेलू उपकरण की सफाई।
3. विभिन्न कमरों में फर्नीचर व्यवस्था का प्रारूप।
4. विभिन्न रूपों में फूल व्यवस्था।
5. साधरण इलेक्ट्रिक सामानों की मरम्मत, आइरन के फ्यूज प्लग की मरम्मत।

स्नातक खंड– 2 *मनोविज्ञान प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)

शोध अध्ययन पद्धति

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछा जाएगा। पाँच प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य है। प्रत्येक खंड से 3 से अधिक का उत्तर न दें।

खंड (क) : मनोवैज्ञानिक शोध

1. मनोवैज्ञानिक शोध की प्रकृति एवं क्रम, एक शोध विवरण लिखें।
2. प्राकल्पना– प्राकल्पना एवं समस्याएँ, प्राकल्पना के स्रोत, गुड की प्राकल्पना विशेषताएँ।
3. साक्षात्कार– अर्थ, साक्षात्कार अनुसूची, मनोवैज्ञानिक शोध की टूल की तरह साक्षात्कार का मान, साक्षात्कार में मूल का मूल स्रोत।
4. निरीक्षण एवं प्रयोग–निरीक्षण– अर्थ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ। परीक्षण–मौखिक परीक्षण प्रयोगशाला एवं परीक्षण, उपलब्धियाँ तथा सीमाएँ।
5. निर्देशन– अर्थ, दैव निदर्शन, विचार निर्दशन, वर्गीकृत निदर्शन, निदर्शन प्राविधि।

खंड (ख) : सांख्यिकी

1. आवृत्ति विवरण– रेखाचित्रण आवृत्ति, बहुभुज स्तम्भाकृति, सञ्चयी प्रतिशत वक्र।
2. केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, विचलनशीलता, मध्यमान, बहुलक, मध्यांक पर्तुदास विचलन, प्रामाणिक विचलन।
3. सामान्य सम्भावना वक्र एवं उपयोग, विकृत विचलन एवं कुकुदता।
4. विचलनशीलता के दो मध्यमान में भेद, संयुक्त प्रामाणिक विचलन एवं विचलन गुणांक।
5. सहसम्बन्ध– उत्पत्ति विधि एवं कोटि अन्तर विधि।

स्नातक खंड– 2 *मनोविज्ञान प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

प्रयोग एवं परीक्षण

समय : 4 घंटे [पूर्णांक : 100

प्रत्येक– 60 अंक

प्रयोग में दो प्रयोग करना अनिवार्य है।

1. मौखिक सीखना–साधारण–पुनः निर्णय विधि एवं विशेष सीखना, पूर्वाभास एवं अनुबोधन विधि, युग्मित सहचर सीखना।
2. संवेदी पेशीय सीखना– धनात्मक अन्तरण एवं अद्वितीय बाधा।
3. मूलर लायर भैंस का माप, औसत त्रुटि विधि द्वारा।
4. अवधान विसृति एवं अवधान विमस्कता।
5. प्रत्यास्मरण एवं अभिज्ञान।

खंड (ग) : नोट बुक

परीक्षण– 10 अंक टेस्ट– 10 अंक

1. परीक्षार्थी उपर्युक्त परीक्षण करें एवं नोट बुक में रिपोर्ट की तैयारी कर परीक्षण के समय जरूर पेश करें।
2. विद्यार्थी उपर्युक्त बुद्धि परीक्षण हल करें।

सहायक पुस्तकें :

मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण– आर0 आर0 पी0 सिन्हा।

स्नातक खंड– 2 *अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)

भारत की आर्थिक समस्याएँ (स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. भारतीय अर्थशास्त्र की मूल विशेषताएँ, भारतीय राष्ट्रीय आय एवं प्रगति के नियम।

Scanned with CamScanner

2. भारतीय जनसंख्या का आकार एवं विकास, जनसंख्या नीति व कार्यक्रम
3. कृषि उत्पादकता– आर्थिक विकास में कृषि की भूमिकाउत्पादकता के नियम।
4. भूमि सुधार की आवश्यकता, जमींदारी उन्मूलन, जोतों का सीमा निर्धारण, जोतों के आधार एवं उत्पादकता, सहकारी एवं एकत्रित कृषि।
5. साख–साख के साधन, सहकारी साख नियम, भूमि विकास बैंक, राष्ट्रीयता, व्यावसायिक बैंक, लीड बैंक नियम, ग्रामीण बैंक, NABARD
6. कृषि मजदूरी, मजदूरी एवं स्तर, न्यूनतम मजदूरी की अवस्था एवं पूर्ण करना।
7. उद्योग– 1948, 1956 एवं 1991 की औद्योगिक नीति, भारत में आर्थिक विकास की भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र में। विस्तृत उद्योग– लोहा एवं इस्पात, चीनी, सूती वस्त्र एवं सीमेन्ट, जूट।
8. लघु उद्योग– आर्थिक विकास में महत्व, नई आर्थिक नीति, लघु उद्योग की समस्याएँ एवं समाधान, पंचवर्षीय योजना में लघु उद्योग।
9. औद्योगिक वित्त– वित्त के साधन, औद्योगिक वित्त निगम (IFC), (SFC) भारत का औद्योगिक विकास बैंक (IDBI), कार्य।
10. औद्योगिक श्रम–भारत में श्रमिक संघ आन्दोलन, श्रम कल्याण कार्य एवं कार्यशीलता की माप एवं सामाजिक सुरक्षा माप।
11. विदेशी व्यापार– झुकाव, भारत के वैदेशिक व्यापार की संरचना एवं सुझाव।
12. यातायात–पंचवर्षीय योजना में रेलवे और इसकी समस्याएँ एवं विकास और महत्व, रेल एवं सड़क स्पर्द्धा और समकक्षता–समन्वय।
13. बेरोजगारी– कारण एवं प्रकार, पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत बेरोजगारी योजना।
14. दरिद्रता– कारण एवं गरीबी उन्मूलन– पंचवर्षीय योजनाओं में विकास।
15. भारत में 9वीं और 10वीं योजना।

स्नातक खंड– 2 *अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

लोक वित्त एवं लोक अर्थशास्त्र– लोक अर्थशास्त्र की प्रकृति

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. लोक वित्त– अधिकतम सामाजिक लाभ की परिभाषा, मूल्य एवं लाभ कराधान की परिभाषा, कर देय क्षमता के सिद्धान्त, करभाव की समस्या एवं प्रभाव।
2. कराधान के प्रकार, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कर, अनुपाती कर एवं प्रगतिशील कर।
3. लोक व्यय– लोक व्यय के विकास, लोक व्यय के प्रभाव।
4. लोक ऋण– लोक ऋण के प्रकार, बोझ, लोक ऋण के तरीके।
5. संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धान्त (Recommendation of 11th & 12th Finance Commission)
6. लोक उपक्रम– लोक उपक्रम का उद्देश्य, लोक उपक्रम के प्रकार, प्रबन्ध के प्रकार, लोक उपक्रमों की मूल्य नीति, लाभप्रद एवं उत्तरदायित्व लोक उपक्रम, भारत में उपक्रमों की कार्यशीलता।
7. बेरोजगारी एवं सम्पूर्ण रोजगार।

स्नातक खंड– 2 *समाजशास्त्र प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)

सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology)

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. Social Anthropology (सामाजिक मानवशास्त्र) : Nature and Scope of Social Anthropology. Its relation with other social sciences, i.e. Sociology, History, Economics and Psychology.
2. Race (प्रजाति) : Definition determinantes and Classification, recial elements in Indian Population.
3. Social Organization (सामाजिक संगठन) : Family, Marriage Kinship, Youth Organization, Modes of acquiring mates.
4. Economic Organization (आर्थिक संगठन) : Definition, Characteristics and Stages of development
5. Religion and Magic (धर्म एवं जादू) : Definition, Importance, distinction between magic and religion, origin of religion.
6. Primitive Law and Justice (आदिम कानून एवं न्याय व्यवस्था)

Scanned with CamScanner

7. Tribal Problems and Welfare (जनजातीय समस्याएँ एवं कल्याण कार्यक्रम)
8. Bihar and Jharkhand Tribes (बिहार एवं झारखंड जनजातियाँ) : Munda, Oraon and Santhal, their social, economic, political and religious life.
9. Impact of Industrialization and Urbanization on Bihar tribes (बिहार एवं झारखंड की जनजातियाँ पर औद्योगिकरण एवं नगरीकरण का प्रभाव)

सहायक पुस्तकें :

1. Majumdar and Madan : Races and Cultures of India.
2. Piddington : Social Anthropology
3. Sachchidananda : Culture change in Bihar tribal
4. Ziyauddin Ahmad : Bihar ke Adibasi
5. रत्नेश श्रीवास्तव : सामाजिक मानव विज्ञान
6. रविन्द्र नाथ मुखर्जी : सामाजिक मानवशास्त्र
7. गुप्ता एवं शर्मा : सामाजिक मानवशास्त्र

स्नातक खंड– 2 *समाजशास्त्र प्रतिष्ठा* (चतुर्थ पत्र)

सामाजिक शोध

समय : 3 घंटे [पूर्णांक : 100

1. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण– धारणा, सामाजिक शोध एवं सामाजिक सर्वेक्षण में भिन्नताएँ।
2. वैज्ञानिक पद्धति– अर्थ एवं विशेषताएँ
3. परिकल्पना, विशेषताएँ, प्रकार, सीमाएँ, महत्व।
4. सामग्री की पद्धति– (क) अवलोकन, (ख) व्यक्तित्व अध्ययन, (ग) साक्षात्कार।
5. निर्देशन– धारणा, प्रकार, प्रबलता एवं विश्वसनीयता, निर्देशन।
6. टूल– (क) प्रश्नावली एवं अनुसूची, (ख) निर्माण–लिकट बौगार्डस सोसियोमेट्र।
7. शोध प्रारूप– अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक शोध प्रारूप।

सहायक पुस्तकें :

1. सामाजिक अनुसंधान और सर्वेक्षण– रवीन्द्रनाथ मुखजी।
2. सामाजिक शोध– जी0 के0 अग्रवाल।

B.A. PART–II English Hons. (PAPER–III)

Time : 3 Hours] [Full Marks : 100

Course Content :

1. Marlow - Edward II
2. Shakespeare - Macbeth
3. Ben Jonson - Alchemist
4. Congeve - the way of the world
5. Sheidan - The Rivals

Scheme of Exams :

1. Tow passages for explanation out of four choices— 2×10 = 20 marks
2. Three critical questoins out of six choices— 3×20 = 60 marks
3. Ten objectives type questions on the History of drama/concepts of dramatic writing 10×2 = 20 marks

Total = 100 marks

Book Recommended :

1. Nicoll — British Drama
2. M. Boulton — Anatomy of Drama

B.A. PART–II English Hons. (PAPER–IV)

Course Content :

1. Swift – The Battle of Books
2. Fielding – Tom Jones
3. Jane Austen – Amma
4. Dickens – A Tale of Two Cities
5. Hardy – Mayor of Casterbridge

Scheme of Exam :

1. Two passages for explanation out of four choices 2×10=20 marks

Scanned with CamScanner

3×20=60 marks
10×2=20 marks
Total = 100 marks

2. Three practical questions out of six choices
3. Ten objective type questions on the History of the Name concepts of the Novel

Books Recommended :

1. Alter Allen – The English Novel
2. Drama Neill – A Short History of the English Novel
3. R. Leavis – The Great Tradition

B.A. PART–II URDU HONOURS (PAPER–III)
AFSANA & DRAMA

The examiner is requested to set EIGHT questions. In whcih the candidate has to anser FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

[Full marks : 100

Time : 3 Hours

This paper consists of two important genres of fiction, i.e., Afsana & Drama. The objective of this paper to introduce those genres to students, with reference of texts.

Books prescribed :

1. Kahani Ke Roop (edited) (Prem Chand, Bedi, Mintu, Ismat, Sohail, Akhtar Orainvi) — by A. W. Ashrafi — Imteyaz Ali Taj
2. AnarKali — S. Abid Hussain
3. Parda-e-Ghaflat
3. Hasrat-e-Taameer : Akhrtar Urainvi

B.A. PART–I URDU HONOURS (PAPER–IV)
MASNAVI & MARSIYA

The examiner is requested to set EIGHT questions, in which the candidate has to anser FOUR. Question No. ONE will be of objective and compulsory, covering the entire syllabus.

Time : 3 Hrs.

[Full marks : 100

This paper consists of two important genres of poetry i.e., Masnavi & Marsiya. The objective of this paper to make students acquainted with the form, concept evolution of them with speical reference of the prescribed books.

Books prescribed :

1. Rooh-e-Anis (first 3 Marsiyees) : Masood Husain Rizvi Adib
2. Ifran-e-Jamil (first 2 Marsi) : Jamil Mazhari
3. Sehrul Bayan : Meer Hadan
4. Urdu Ki Do Masnaviyan (edited) : Dr. S. Haseen Ahmad

स्नातक खंड– 2 *प्राकृत प्रतिष्ठा* (तृतीय पत्र)
DRAMA

समय : 3 घंटे

[पूर्णांक : 100

1. कर्पुरमजरी– कविराज शेखर कृत– 50 अंक
2. मैथिली कल्याण नाटक– सीता विनीता वार्तालाप– 25 अंक
3. सुभद्रा नाटिका– सुभद्रा पत्र लेखन– 25 अंक

Marks Alloted :

1. Explanation (two)— 40 Marks
2. Translation from Prescribed Lesson (two)— 20 Marks
3. Critical questions (three)— 40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. कर्पुरमंजरी– चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
2. कर्पुरमंजरी– डॉ0 सुदर्शन लाल जैसे
3. मध्यकालीन जैन सट्रअक नाटक– डॉ0 राजाराम जैन।
4. रूपकार हस्तिमल्ल– डॉ0 के0 एल0 जैन, प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली।
5. योगसार– डॉ0 कमलेश कुमार जैन, गणेश वर्णी संस्थान, वाराणसी।

Scanned with CamScanner

स्नातक खंड– 2 प्राकृत प्रतिष्ठा (चतुर्थ पत्र)
POETRY

समय : 3 घंटे

[पूर्णांक : 100

1. कसवहो–प्रथम सर्ग– 40 अंक
2. योगसार–योगिन्द्र देवकृत– 60 अंक

Marks Alloted :

1. Explanation (two)— 40 Marks
2. Translation from Prescribed Lesson (two)— 20 Marks
3. Critical questions (three)— 40 Marks

सहायक ग्रन्थ :

1. प्राकृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 नेमिचन्द्र शास्त्री
2. कंवहो– प्रो0 डॉ0 ए0 एन0 उपाध्याय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. कंसवहो– संपादक, डॉ0 हरेन्द्र प्रसाद सिंह
4. कंसवहो– डॉ0 केदारनाथ ब्रह्मचारी
5. योगसार– डॉ0 कमलेश कुमार जैन, गणेश वर्णी संस्थान, वाराणसी।

Scanned with CamScanner